कोटद्वार, शनिवार
26 अक्टूबर 2024
वर्ष: 46
अंक: 176 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

ट्रेनें सात से 14 घंटे लेट होने से यात्रियों ने भुगती परेशानी

रुड़की। गुरुवार को ट्रेनों की लेटलतीफी ने मुसाफिरों को पहले से ज्यादा परेशान किया। कई गाड़ियां 7 घंटे से 14 घंटे तक लेट आईं, साथ ही हरिद्वार से मुजफ्फरपुर, फेस्टिवल स्पेशल व बापूधाम मोतिहारी से आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली, चंपारण सत्याग्रह एक्सप्रेस निरस्त रही। इसके चलते यात्रियों को मजबूरी में प्लेटफार्म पर बैठे रहना पड़ा। जयनगर से दिल्ली, स्पेशल ट्रेन सबसे ज्यादा 14 घंटे तथा सीतामढ़ी से आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली जनसाधारण एक्सप्रेस 12 घंटे लेट थी। उधर, पटना से फिरोजपुर कैंट स्पेशल ट्रेन 8 घंटे, कटिहार से अमृतसर, स्पेशल तथा गुवाहाटी से जम्मूतवी, अमरनाथ एक्सप्रेस 7–7 घंटे और आनंद विहार टर्मिनल दिल्ली से मुजफ्फरपुर, क्लोन एक्सप्रेस 6.30 घंटे की देरी से चली। जबकि, लालगढ़ से डिब्रूगढ़ अवध आसाम एक्सप्रेस 4.30 घंटे, जम्मूतवी से हावड़ा, हिमगिरी एक्सप्रेस 3.30 घंटे, योगनगरी ऋषिकेश से लक्ष्मीबाई नगर, लक्ष्मीबाई नगर एक्सप्रेस 2 घंटे, जम्मूतवी से कोलकाता, कोलकाता एक्सप्रेस 1.30 घंटे और प्रयागराज से सहारनपुर, नौचंदी एक्सप्रेस, प्रयागराज से योगनगरी ऋषिकेश, योगनगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस व जयनगर से अमृतसर, शहीद एक्सप्रेस 1–1 घंटे की देरी से आई। इनके अलावा श्रीगंगानगर से ऋषिकेश, इंटरसिटी एक्सप्रेस, सहरसा से अमृतसर, गरीब रथ एक्सप्रेस, पूर्णिया कोर्ट से अमृतसर, जनसेवा एक्सप्रेस, दरभंगा से अमृतसर, जननायक एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित समय के 30 से 60 मिनट बाद स्टेशन आई। मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता का कहना है कि पंजाब मुरादाबाद रूट पर स्पेशल ट्रेनों की आवाजाही ज्यादा होने के कारण ट्रेनों के संचालन में देरी हो रही है। इसमें सुधार करने के प्रयास किया जा रहे हैं।

भाई की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

विकासनगर, मामला वर्ष 2016 का सहसपुर थाना क्षेत्र का है। शासकीय अधिवक्ता नरेश चंद्र बहुगुणा ने बताया कि प्रदीप कुमार उर्फ प्रिंस पुत्र जुगल किशोर निवासी ग्राम डोबरी सहसपुर ने 27 अप्रैल 2016 को सहसपुर थाने में तहरीर दी थी। बताया कि उसका भाई बलजीत सिंह 26 अप्रैल की शाम को गांव के शाह आलम की शादी में गया था। लेकिन वह रात को घर नहीं आया। अगले दिन सुबह दस बजे खेतों की तरफ जंगल में एक व्यक्ति से लाश मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचा तो वह उसका भाई था। उसने पुलिस को बताया कि लाश एक पेड़ के नीचे पड़ी थी और गले में बेल्ट बंधी हुई थी।

उसे शक है कि किसी ने गला दबाकर उसके भाई की हत्या की है। शासकीय अभिवक्ता ने बताया कि जब पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची और मृतक के गले में टंगे वेल्ट को डॉग को सुंघाया तो वह प्रदीप के घर की ओर गया।

कोर्ट ने एक साथ 101 लोगों को सुना दी उम्रकैद की सजा

कोप्पल (कर्नाटक),कोप्पल जिले की एक अदालत ने दलित समुदाय की बस्ती में आग लगाने के मामले में 101 लोगों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। आरोपियों को हाल ही में दोषी ठहराया गया था और गुरुवार को अदालत ने सजा सुनाई। राज्य के इतिहास में यह पहला मामला है जब किसी अत्याचार के मामले में इतनी बड़ी संख्या में आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

सभी आरोपियों के परिवार के सदस्य कोप्पल अदालत परिसर में एकत्र हुए थे और पुलिस द्वारा उन्हें जेल ले जाते समय उनकी आंखों में आंसू थे। आरोपियों को कोप्पल जिला जेल ले जाया जाएगा और बाद में उन्हें बल्लारी जेल स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

जाति आधारित हिंसा से जुड़ा यह मामला 28 अगस्त 2014 को गंगावती तालुका के मारकुंबी गांव का है। आरोपियों ने दलित समुदाय के लोगों के घरों में आग लगा दी थी। दलितों को नाई की दुकान और ढाबों में प्रवेश से मना करने को लेकर झड़प शुरू हुई थी। गांव में छुआछूत पर सवाल उठाने वाले कुछ दलित युवकों की सक्रियता से नाराज होकर आरोपियों ने दलितों की बस्ती में घुसकर उनकी झोपड़ियों में आग लगा दी थी। आरोपियों ने घरों को भी नष्ट कर दिया और दलितों पर हमला किया।

महाराज-योगी की मुलाकात में बंद नहरों को खोलने पर हुई चर्चा

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से भेंट करते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर जनपद हरिद्वार स्थित इकबालपुर नहर को 665 क्यूसेक पानी दिए जाने का आग्रह करते हुए उत्तर-खण्ड स्थित उत्तर प्रदेश की सिंचाई नहरों की शीघ्र साफ-सफाई किए जाने का भी अनुरोध किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से दोनों प्रदेशों की कुछ बंद पड़ी सिंचाई नहरों को खोले जाने पर भी चर्चा की, जिससे दोनों प्रदेशों के किसानों की सिंचाई समस्याओं का समाधान हो सके। श्री महाराज ने जमरानी बांध निर्माण में उत्तर प्रदेश के सहयोग के लिए भी यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आभार जताया।

बाजपुर में ऑनलाइन गेमिंग में हारी महिला ने की आत्महत्या

काशीपुर। ऑनलाइन गेमिंग की लत ने एक महिला को आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया। 25 वर्षीय विवाहिता ने शुक्रवार को फांसी पर लटककर जान दे दी। बताया जा रहा है कि महिला गेम में करीब 40 से 50 हजार रुपये हार गई थी। इस सदमे को वह सहन नहीं कर पाई। इसके बाद उसने पहले अपने पति को रोते हुए सारी जानकारी दी, इसके बाद आत्महत्या कर ली। पल्लवी अपने पीछे ढाई साल और 1 साल की दो पुत्रियों को छोड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 12 भौना कालोनी जीजीआईसी स्कूल के पास रहने वाली 25 वर्षीय पल्लवी शर्मा पत्नी अनुभव शर्मा ने शुक्रवार को फांसी के फंदे पर लटककर जान दे दी। फांसी पर लटकने से पहले उसने अपने इस आत्मघाती कदम की जानकारी अपने पति अनुभव शर्मा को दी। पल्लवी ने अनुभव को रोते हुए बताया कि वह आज फिर ऑनलाईन गेम में हजारों रुपये हार गई है। इसका उसको पश्चाताप करना है। उसने कहा कि वह अब जीना नहीं चाहती, इतना कहकर उसने फोन काट दिया। इसके तुरंत बाद उसका पति अनुभव शर्मा घर पहुंचा, लेकिन तब तक उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी।

खाई में गिरा पिकअप वाहन, एक की मौत

गुमखाल–दुगड्डा के मध्य हटनिया के समीप हुआ हादसा

दुर्घटनाग्रस्त हुआ पिकअप वाहन

जयन्त प्रतिनिनिधि।

कोटद्वार : गुमखाल-दुगड्डा के मध्य हटनिया के समीप एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में पिकअप सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। साथ ही चालक को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया।

घटना गुरूवार रात की है। कोटद्वार से सरिया-सीमेंट लेकर एक पिकअप वाहन पोखरा जा रहा था। इसी दौरान हठनिया के समीप वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाना शुरू किया। दुर्घटना में घायल दो लोगों को राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार लाया गया। जहां चिकित्सकों ने पिकअप सवार पौखड़ा निवासी नूर आलम को मृत घोषित कर दिया। जबकि, घायल अजय रावत का उपचार चल रहा है।

दीपावली पर्व पर यातायात प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा जाए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आगामी दीपावली और राज्य स्थापना दिवस के दृष्टिगत प्रदेश भर में स्वच्छता, सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चत की जाएं।

सचिवालय में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि दीपावली के पर्व पर यातायात प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि आवागमन में लोगों को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो। अग्निशमन विभाग द्वारा दीपावली पर आगजनी घटनाओं से बचाव के लिए अग्निशमन वाहनों की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। स्वास्थ्य विभाग को सभी आपतकालीन व्यवस्था रखने के साथ ही बर्न यूनिट 24 घण्टे सुचारू अवस्था में रखने को कहा। त्योहारों में खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए खाद्य पदार्थों की नियमित सैंपलिंग करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट, थूकने की घटनाओं और गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। राज्य स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपदों के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। इसमें जनसहयोग भी लिया जाए। स्वच्छता के साथ ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सौन्दर्यीकरण की दिशा में कार्य किये जाएं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता को जनता का कार्यक्रम बनाया जाए। राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 06 से 12 नवम्बर तक प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि दीपावली और राज्य स्थापना दिवस के दृष्टिगत प्रदेश के अन्तरराज्यीय और अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राज्य की रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए हम सबको टीम उत्तराखण्ड की भावना से कार्य करना है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, नितेश झा, चन्द्रेश यादव, एडीजी ए.पी अंशुमन, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी एवं एसएसपी उपस्थित थे।

अमोड़ी में टैक्सी रुकवा कर खाई में कूदा युवक

चम्पावत।टनकपुर–पिथौरागढ़ एनएच में अमोड़ी के पास खेतखोला में टैक्सी में सवार एक यात्री ने गुरुवार की देर शाम खाई में छलांग लगा दी। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यात्री को बचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। कोतवाल प्रताप सिंह नेगी ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे पिथौरागढ़–टनकपुर की टैक्सी में सवार एक युवक ने अमोड़ी के समीप खाई में छलांग लगाने सूचना मिली। चल्थी चौकी प्रभारी निर्मल लटवाल और एसडीआरएफ के डुंगर सिंह अधिकारी के नेतृत्व में टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। टीम ने मशक्कत के बाद युवक को निकालकर 108 आपात सेवा के माध्यम से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की पहचान 30 वर्षीय विपिन नगरकोटी, निवासी विण जिला पिथौरागढ़ के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विपिन ने नशे की हालात में पहले टैक्सी रुकवाई और फिर तेजी से खाई की ओर छलांग लगा दी। उसने छलांग क्यों लगाई, इसका पता नहीं चल पाया है।

लेखन से आती है समाज में परिवर्तन और क्रांति: रामनाथ

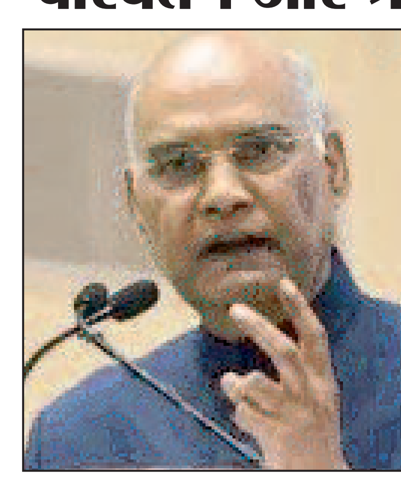

ऋषिकेश। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि लेखन समाज में परिवर्तन और क्रांति को लाने का कार्य करता है। भारत का संविधान भी लेखन का आधार स्तंभ है, जिसके शब्दों में असीमित शक्ति है। शुक्रवार को डोईवाला स्थित थानो के लेखक गांव में तीन दिवसीय स्पर्श हिमालय महोत्सव 2024 का आगाज हुआ। महोत्सव में साहित्य, संस्कृति और कला को समर्पित एक विशेष मंच 'लेखक गांव' का विधिवत उद्घाटन किया गया। महोत्सव में पहुंचे मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि लेखन से लेखक अपने आप से जुड़ता है। लेखक गांव की अवधारणा देश की पहले लेखक गांव बनने से पूरी हो रही है। जब डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक उनके पास इस गांव को बनाने की अवधारणा को लेकर आए, तो इस अवधारणा के लिए पूछने पर उन्होंने बताया कि वर्ष 2007 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने साहित्यकारों और लेखकों के भविष्य के प्रति चिंता व्यक्त की थी। इसके बाद उनके मन में लेखक गांव की प्रकल्पना जागृत हुई, जो आज थानो के लेखक गांव के रूप में साकार रूप ले चुका है। यह लेखक गांव भविष्य में लेखन साहित्य कला के साथ–साथ टूरिस्ट डेस्टिनेशन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान भी लेखन का आधार और लोकतांत्रिक सभ्यता का स्तंभ है। एक लेखक अपने लेखन के माध्यम से लोगों को प्रभावित करता है, साथ ही लोगों में उमंग का संचार भरता है।

लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई पर कसा शिकंजा, एनआईए ने घोषित किया मोस्ट वांटेड

10 लाख का इनाम भी घोषित

मुंबई, गोल्डी बराड़ के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने लॉरेंस विश्नोई के भाई गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है. दरअसल, एनआईए ने अनमोल बिश्नोई का नाम अपनी मोस्ट वांटेड नामों की सूची में डाल दिया है. इसके साथ ही जांच एजेंसी ने उसपर 10 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया है. बता दें कि इससे पहले, मुंबई पुलिस ने भी 14 अप्रैल को सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के सिलसिले में उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था. उसी ने सोशल मीडिया पर गोलीबारी की घटना की जिम्मेदारी ली थी. जांच में पता चला है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के शूटर भी स्नैपचैट के जरिए उससे संपर्क में थे. जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई कनाडा और अमेरिका से गैंग को आपरेट कर रहा है. 12 अक्टूबर को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और इस इसी साल 7 अप्रैल को अभिनेता सलमान खान के आवास पर हुए हमले का कॉर्डिनेटर भी उसी को माना जा रहा है, इसके बाद वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी के निशाने पर आ गया है.

बता दें कि इसके साथ ही अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का भी आरोपी है. जांच एजेंसियों ने उसके खिलाफ इसी साल आरोप पत्र दाखिल किया था. जानकारी के मुताबिक, अनमोल बिश्नोई लगातार ठिकाने बदलता रहता है. पिछले साल उसे केन्या में देखा गया था, जबकि इस साल वह कनाडा स्पॉट किया गया. अनमोल बिश्नोई पर भी अभी तक 18 केस दर्ज किए जा चुके हैं. वह जोधपुर जेल में सजा काट चुका है, सात अक्टूबर को ही उसे कोर्ट से जमानत मिली थी. अनमोल बिश्नोई, गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई है. जो लॉरेंस की गैरमौजदगी में उसके गैंग को चला रहा है. लॉरेंस बिश्नोई अभी गुजरात की साबरमती जेल में बंद है.

झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, सजा पर रोक से इन्कार

नई दिल्ली, कोयला घोटाला मामले में दोषी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मधु कोड़ा की दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। उन्हें निचली अदालत ने तीन साल की सजा सुनाई है। वे इस सजा पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब वे विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। मधु कोड़ा ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई तीन साल की सजा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी थी। कोड़ा ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मधु कोड़ा झारखंड विधानसभा का चुनाव लडऩा चाहते थे। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने भी उनकी याचिका यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि याचिकाकर्ता केवल इस आधार पर फैसले पर रोक लगाना चाहता है कि वह चुनाव लड़ सके, जो उचित नहीं हैं।

जर्मन चांसलर स्कोल्ज की भारत यात्रा, पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने 18वें एशिया–प्रशांत जर्मन बिजनेस सम्मेलन (एपीके 2024) में भाग लेने से पहले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक आवास, लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी और जर्मन चांसलर शुक्रवार को जर्मन बिजनेस 2024 के एशिया–पैसिफिक कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में जर्मनी, भारत और अन्य देशों के लगभग 650 व्यापारिक नेता और सीईओ भाग लेंगे। इसका उद्देश्य जर्मनी और इंडो–पैसिफिक क्षेत्र के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है।

इसके बाद, सरकार के प्रमुखों की अध्यक्षता में गवर्नमेंट कंसल्टेशन में सभी प्रतिभागियों के लिए एक संयुक्त पूर्ण सत्र होगा। विदेश मंत्रालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में बताया, दोनों नेता सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाने, प्रतिभाओं की आवाजाही के लिए अधिक अवसर, गहन आर्थिक सहयोग, हरित और सतत विकास साझेदारी और उभरती और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा करने के लिए द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। चर्चाएं महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी केंद्रित होंगी।

इसके बाद जर्मन चांसलर शनिवार को गोवा की यात्रा करेंगी, जहां जर्मन नौसैनिक फ्रिगेट बाडेन–वुर्टेमबर्ग और लड़ाकू सहायता जहाज फ्रैंकफर्ट एम मेन जर्मनी की हिंद–प्रशांत तैनाती के हिस्से के रूप में एक निर्धारित बंदरगाह पर रुकेंगे।

उत्तराखण्ड में सौर ऊर्जा क्रांति की नींव तैयार

स्वरोजगार योजना पलायन की रोकथाम के लिए कारगर

जयन्त प्रतिनिधि। देहादून : गंगा-यमुना और बदरी-केदार की धरती में खामोशी के साथ सौर ऊर्जा क्रांति की नींव पड़ चुकी है। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के जरिए सैकड़ों लोग अपने सोलर प्लांट सफलता पूर्वक संचालित कर रहे हैं। उत्तराखण्ड में इस समय करीब 600 मेगावाट की सौर ऊर्जा पैदा हो रही है, साथ ही 174 मेगावाट क्षमता के नए सोलर पावर प्लांट का भी आवंटन हो चुका है। प्रदेश में पलायन रोकने के साथ ही स्वरोजगार के साधन विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार सीएम सौर स्वरोजगार योजना संचालित कर रही है। योजना के तहत एक परिवार का एक व्यक्ति 20, 25, 50, 100 या 200 किलोवॉट का एक सोलर प्लांट लगा सकता है। जिसकी पूरी उत्पादित बिजली यूपीसीएल खरीदता है। इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और उद्योग विभाग की एमएसएमई पॉलिसी के तहत मिलने वाली सभी छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सोलर प्लांट के लिए प्रदेश के स्थायी निवासी ही पात्र होते हैं, प्लांट की स्थापना अपनी निजी भूमि के साथ ही लीज की जमीन पर भी की जा सकती है।

प्लांट लगाने के लिए सहकारी बैंक के साथ ही अन्य बैंकों के जरिए भी लोन प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखण्ड को धूप का उपहार प्रकृति से मिला है, यहां सर्दियों में भी धूप खिली रहती है। इस कारण उत्तर-खण्ड राज्य सौर ऊर्जा के लिए आदर्श है। इसीलिए सरकार सोलर प्रोजेक्ट का बढ़ावा दे रही है। इसके लिए उद्यमियों को तमाम तरह से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सोलर प्रोजेक्ट से पलायन रोकथाम के साथ ही, गांवों की आर्थिकी बढ़ाने में कारगर साबित हुई है।

सफलता की कहानी 01

उत्तरकाशी जिले में चिन्यालीसौड़ के पास टिपरी गांव निवासी आमोद पंवार ने सोलर पावर प्रोजेक्ट, खेती–बागवानी के साथ ही मत्स्य और मधुमक्खी पालन का एक सफल स्वरोजगार मॉडल खड़ा किया है। आमोद बताते हैं कि पहले ग्रिड की बिजली सप्लाई होने से, गांव में बिजली आपूर्ति अनियमित होती थी, उनका गांव टिहरी झील के ठीक सामने है। ऐसे में टिहरी बांध का गांव वालों के लिए सांकेतिक महत्व ही था, लेकिन अब सोलर प्रोजेक्ट के चलते गांव की बिजली आपूर्ति भी सुधर गई है। आमोद पंवार के मुताबिक पहाड़ में सर्दियों के दिनों में भी अच्छी धूप रहती है, इस कारण सोलर प्रोजेक्ट पहाड़ के लिए आदर्श हैं, अन्य युवाओं को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए।

सफलता की कहानी 02

टिहरी जिले में देवप्रयाग विकासखंड के निवासी प्रताप सिंह रावत ने 2020 में खुद के नाम 400 किलोवाट का प्लांट लगाया, इसके बाद पत्नी के नाम 200 किलोवाट का प्लांट लिया। इन दोनों प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक रन करने के बाद वो इसी साल सीएम सौर स्वरोजगार योजना के तहत बेटे के नाम भी 200 किलोवाट की एक और अन्य परियोजना शुरुकर चुके हैं। इस तरह उनके परिवार में कुल तीन लोग हैं और तीनों के पास अपना अपना सोलर प्रोजेक्ट है। रावत कहते हैं कि इस प्रोजेक्ट की लाइफ करीब 25 साल है, इस तरह सरकार ने उन्हें घर बैठे 25 साल का रोजगार दे दिया है। उन्होंने देहरादून से वापसी अपने गांव की ओर रिवर्स पलायन कर लिया है।

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सीबीआई की तरफ से जारी लुक आउट सर्कुलर अब रद्द ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट फैसला बरकरार रखा है। कोर्ट ने रिया के भाई और उनके पिता को भी राहत दी है। रिया चक्रवर्ती और उनके भाई और पिता के खिलाफ सीबीआई द्वारा जारी लुक आउट सर्कुलर के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को बरकर-ार रखा है। जानकारी के अनुसार, फरवरी में बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिया चक्रवर्ती और उनके भाई व पिता की याचिका पर सीबीआई का लुक आउट सर्कुलर रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट के आदेश को सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। आज सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की अपील खारिज कर दी। इससे रिया और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली।

सम्पादकीय

डेयरी संचालकों पर नया कानून

शहरों की गंदगी में डेरी संचालकों की भूमिका हमेशा से ही चर्चाओं में रही है। अधिकांश नालियों व सड़कों पर डेयरी की गंदगी बहाना सामान्य से बात लगने लगी है और यदि बात करें ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की तो नगर निगम का काम केवल नोटिस भेज कर साधारण साथ चालान वसूलने तक ही सीमित है। इधर अब डेयरी संचालकों पर सरकार ने नकेल कसने की तैयारी कर ली है ताकि आम लोगों को देरी से निकलने वाली गंदगी से निजात मिल सके। सरकार के कड़े निर्देशों के बाद राजधानी देहरादून के नगर निगम क्षेत्रों में डेयरी चलाने वालों के लिए शहरी विकास विभाग ने सख्त नियम बना दिए हैं। खास तौर से ऐसे डेयरी संचालक जो बिना किसी रजिस्ट्रेशन और प्रदूषण नियंत्रण के बड़ी–बड़ी डेयरी चला रहे हैं उन पर अब विभाग की नजर है। एक लंबे समय से राजधानी देहरादून की विभिन्न क्षेत्रों में खास तौर से शहरी क्षेत्र में देरी की गंदगी नालियों में बहाई जा रही है जो की कई बार नालियां चोक होने पर सड़कों पर बहती नजर आती है। नए नियमों के तहत अब डेयरी संचालन के लिए डेयरी कारोबारी को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सहमति लेने के साथ ही नगर निगम में भी पंजीकरण कराना होगा। डेयरी संचालकों की मनमानी को रोकने के लिए सरकार का यह एक महत्वपूर्ण फैसला है और इसी के तहत जल्द ही सरकार प्रदेश में उत्तराखंड व्यावसायिक डेयरी परिसर अनुज्ञाकरण नियमावली 2024 लागू करने जा रही है। प्रारम्भ में नियमावली नगर निगम क्षेत्र में ही लागू होगी लेकिन आवश्यकता के अनुसार इसे अन्य क्षेत्रों में भी विस्तारित किया जा सकता है। नियमावली में जो शर्तें रखी गई है उसे डेरी संचालकों को हर स्थिति में मानना पड़ेगा अन्यथा डेयरी को बंद कर दिया जाएगा। आम जनता के स्वास्थ्य को देखते हुए पशुओं को नियमित तौर पर स्वास्थ्य परीक्षण से भी गुजरना होगा, इसके अलावा देरी को प्रदूषण मुक्त बनाने के साथ–साथ वहां पौधारोपण तथा गोबर इत्यादि के निस्तारण की भी ठोस व्यवस्था डेयरी संचालक को करनी होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना का प्रावधान भी रखा गया है। पूरे प्रदेश में वर्तमान में डेयरी संचालकों के लिए कोई ठोस नियम कानून नहीं है और यही कारण है कि जहां डेरी का अपशिष्ट नालियों में बहा दिया जाता है। डेरी संचालकों को यह प्रवृत्ति बंद करनी होगी और यदि ऐसे किसी डेयरी संचालक के खिलाफ शिकायत की जाती है तो विभाग प्राथमिकता के तौर पर उस पर कार्रवाई भी करेगा। डेयरी संचालकों को अब यह समझ लेना चाहिए कि सिर्फ अपने लाभ के लिए शहर भर में गंदगी फैलाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पीएम इंटर्नशिप योजना: करके सीखने के विचार का लोकतंत्रीकरण

वी. अनंत नागेश्वरन और दीक्षा सुप्याल बिष्ट

> **युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई–मेल से जुड़ा शिष्टाचार, कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं।**

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं।

कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15–29 वर्ष की आयु के) और आधी से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं हैं । यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कोसों दूर है।

इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार–आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।

पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21–24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए, आदि को छोड़कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रूपये भी दिए जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं।

लंबे समय से इंटर्नशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोक्ताओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य–आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्ब्स, जॉन डेवी, कर्ट लुईस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभवात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटर्नशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई–मेल से जुड़ा शिष्टाचार, कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं।

देश के प्रमुख संस्थानों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में जहां इंटर्नशिप प्रचलन में है, वहीं कैरियर संबंधी परामर्श एवं नौकरी–उन्मुख नेटवर्किंग की कमी के कारण राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में, यह एक असामान्य चीज बनी हुई है। इन्हीं राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में अधिकांश युवा पढ़ते हैं। इस तरह, पीएमआईएस के जरिए बड़े पैमाने पर प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप गैर–मेट्रो शहरों के युवाओं के लिए समान अवसर प्रदान करती है और संभावित प्लेसमेंट के लिए दरवाजे खोलने का काम करती है। व्यक्तिगत स्तर पर, नई मिली आर्थिक आजादी आत्मविश्वास बढ़ाती है और युवा प्रतिभाओं को बेहतर करने और ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करती है। युवतियों के मामले में, आर्थिक आजादी और आत्म–मूल्य की भावना शादी की उम्र और विवाह के पूर्व की शर्तें जैसी जीवन के फैसलों में बदलाव ला सकती है।

नियोक्ता के लिए, इंटर्नशिप न केवल दीर्घकालिक रोजगार के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का परीक्षण करने का कम लागत वाला बेहतरीन प्रयोग है, बल्कि कौशल संबंधी अंतर को पाटने और उसके सीएसआर संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने का एक रणनीतिक उपकरण भी है। 12 महीनों के दौरान, कंपनी विश्वसनीय रूप से एक प्रशिक्षु के आईक्यू और ईक्यू का आकलन कर सकती है और आत्मविश्वास के साथ प्रवृति के लिए नियुक्ति और कौशल के लिए प्रशिक्षण की बहुप्रशंसित रणनीति को लागू कर सकती है।

व्यापक स्तर पर अर्थव्यवस्था की दृष्टि से, पीएमआईएस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और यह युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने एवं वंचित पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं में समानता लाने का एक तात्कालिक उपाय है। शिक्षा पूरी कर चुके युवाओं के लिए एक फिनिशिंग स्कूल के रूप में कार्य करके, इंटर्नशिप अर्थव्यवस्था में 'रोजगार रहित प्रतिभा' के भारी नुकसान को कम करने में मदद करती है। आने वाले एआई के युग में, शिक्षा से लेकर रोजगार तक की ऐसी कड़ी और भी महत्वपूर्ण साबित होगी, जहां नौकरी के लिए उपयुक्तता परिवर्तन एवं जीवन कौशल के प्रति अनुकूलनशीलता द्वारा निर्धारित की जाएगी। दीर्घकालिक अवधि में, यह मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में पूंजी और श्रम के बीच के अनुपात को भी प्रभावित कर सकती है।

जैसा कि कहा गया है, कंपनियों में बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं को वास्तविक रूप से समायोजित करने, शीर्ष 500 कंपनियों को श्रेणी–2 और श्रेणी–3 वाले शहरों से आने वाले प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने और किसी अभ्यर्थी को उसके शहर से बाहर स्थानांतरित करने की आवश्यकता होने पर पर्याप्त मात्रा में मासिक स्टाइपेंड की उपलब्धता जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इस संबंध में दूरस्थ कार्य की व्यवस्था, गैर–मेट्रो कार्यालयों एवं कारखानों में भर्ती, और कंपनी द्वारा अतिरिक्त स्टाइपेंड संभावित समाधान हो सकते हैं।

इस प्रकार, पीएमआईएस रोजगार सृजन का एक ऐसा उत्प्रेरक है जिसके व्यापक प्रचार और सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसका लक्ष्य लगातार भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है। इस योजना के शुभारंभ के बाद से कॉरपोरेट जगत द्वारा दिखाई गई अत्यधिक रुचि भारतीय युवाओं को कुशल बनाने, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने और उनकी आजीविका को बेहतर बनाने के इस योजना के लक्ष्य की सफलता की दृष्टि से एक अच्छा संकेत है।

उमर अपनी बात पर कितना खरा उतरते हैं?

बलबीर पुंज

बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?

उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में उप–राज्यपाल (एल.जी.) मनोज सिन्हा ने उमर के साथ पांच मंत्रियों को पद–गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर की पार्टी से सुरिंदर चौधरी उप–मुख्यमंत्री, तो निर्दलीय सतीश शर्मा मंत्री बनाए गए है। यह एक अच्छी शुरूआत है। परंतु प्रश्न उठता है कि मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश में एक हिंदू मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता? यह स्थिति तब है, जब देश में ऐसे कई उदाहरण है, जहां हिंदू प्रधान राज्यों– केरल, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, बिहार, मणिपुर, पुड्डुचेरी और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री मुस्लिम और ईसाई समाज से भी रहे है। यही नहीं, हिंदू बहुल भारत में कई गैर–हिंदू राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति और राज्यपाल भी बन चुके है।सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने अपने घोषणापत्र में जो 12 वादे किए है, उनमें सूबे में धारा 370–35ए और राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी का वादा भी शामिल है। मोदी सरकार ने इस बात को कई बार दोहराया है कि वह जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने को प्रतिबद्ध है। इस सच्चाई से उमर भी अवगत है कि एल.जी. के पास कई शासकीय शक्तियां है और केंद्र के सहयोग बिना, कई काम (राज्य दर्जा सहित) पूरे नहीं हो सकते।जम्मू–कश्मीर के अतिरिक्त, देश में सात और राज्य– अंडमान–निकोबार, चंडीगढ़, दादरा–नगर हवेली दमन–दीव, दिल्ली, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी केंद्र शासित है।

वर्तमान समय में संभवतः दिल्ली ही एकमात्र ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जहां की निर्वाचित सरकार और एल.जी. के बीच संबंध तल्ख है। इस संदर्भ में क्या जम्मू–कश्मीर की स्थिति दिल्ली जैसी हो सकती है?कांग्रेस की दिवंगत नेत्री शीला दीक्षित 1998–2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी। यदि केंद्र सरकार में उनकी पार्टी के नेतृत्व को छोड़ दें, तब मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित की 1998–2004 के कालखंड में राजनीतिक मतभेदों के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी सरकार की अगुवाई में भाजपा नीत केंद्र सरकार से कोई तनातनी नहीं थी। इसमें बदलाव अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप') की सरकार (2013 से अबतक) बनने के बाद आया, जो समन्वय के स्थान पर टकराव से देश की राजधानी में सरकार चला रही है। इस प्रकार की अराजकतावादी राजनीति कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की देन है, जिन्होंने बिना वर्ष 2013 में किसी मंत्रिपद के अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को प्रेस–कॉन्फ्रेंस में फाडक़र फेंक दिया था और अब प्रधानमंत्री मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते है।ऐसा नहीं है कि दिल्ली में एल.जी. और आप' के बीच तनातनी मई 2014 के बाद मोदी सरकार में प्रारंभ हुई है। कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा एल.जी. बनाए गए नजीब जंग (2013–16) के साथ भी आप' सरकार का रवैया कटु था।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उमर अब्दुल्ला को प्रत्यक्ष–परोक्ष रूप से अपनी पार्टी जैसा आचरण अपनाने का मशविरा दिया है। बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू–कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकताज्। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?एक पुराना मुहावरा है– हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। क्या सच में सत्तारूढ़ एन.सी. अस्थायी धारा 370–35ए की वापसी चाहती है? अब्दुल्ला परिवार (फारुख–उमर) राजनीति में परिपक्व है। एक तो उन्हें मालूम है कि अब केंद्र में किसी भी दल की सरकार रहे, इन दोनों धाराओं की वापसी लगभग नामुमकिन है। सर्वोच्च अदालत की संवैधानिक पीठ भी लंबी सुनवाई के बाद धारा 370–35ए के संवैधानिक परिमार्जन को हरी झंडी दे चुकी है। दूसरा यह कि इन दोनों प्रावधानों से क्या वाकई जम्मू–कश्मीर का कोई भला हुआ था? सच तो यह है कि धारा 370–35ए से कश्मीर की न केवल प्रगति रुक गई थी, बल्कि पाकिस्तान के सहयोग–वित्तपोषण से घाटी मध्यकालीन युग की ओर लौटने लगी थी।क्या यह सच नहीं कि धारा 370–35ए के सक्रिय रहते– घाटी में सभी आर्थिक गतिविधियां कुंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना–पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, पर्यटक घाटी आने से कतराते थे, अलगाववादियों द्वारा मनमर्जी बंद बुला लिया जाता था, सिनेमाघरों पर ताला था, मजहबी आतंकवाद के साथ पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था, वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत–विरोधी नारों से दूषित था और शेष देश की भांति दलित–वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था? ईमानदारी से विश्लेषण करने के बाद इस बात को धारा 370–35ए के पैरोकार भी नहीं झुठला सकते कि इन दोनों धाराओं की समाप्ति के बाद जम्मू–कश्मीर शेष भारत की तरह पिछले पांच वर्षों से गुलजार है।

एक मौजूं सवाल बन गया

एक तकनीकी आधार पर मुख्यमंत्री को उनके आवास से बेदखल कर दिया गया है। क्या किसी केंद्र शासित प्रदेश में भी बहुमत से निर्वाचित पार्टी के विधायक दल नेता के साथ ऐसा बर्ताव लोकतांत्रिक मान्यता और मर्यादा के अनुरूप है?मान्यता है कि लोकतंत्र में नेताओं की हैसियत मतदाता बनाते हैं। जो नेता मतदाताओं को लुभाने में जितना कामयाब हो, उसकी हैसियत उतनी बड़ी होती है। मनोनीत पदाधिकारियों से अपेक्षा होती है कि वे निर्वाचित नेताओं का सम्मान करते हुए अपने कर्त्तव्य का पालन करें। मगर भारत में, इस दौर में आकर यह मान्यता सिर के बल खड़ी कर दी गई है। बल का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के घरेलू सामान को उस आवास से बाहर कर दिया गया, जिसके बारे में आम धारणा है कि वह मुख्यमंत्री निवास है। दिल्लीवासियों को अब पता चला है कि दिल्ली में कोई स्थायी मुख्यमंत्री आवास नहीं है।

मुख्यमंत्री कहां रहेंगे, यह इस पर निर्भर करता है कि लेफ्टिनेंट गवर्नर उन्हें कौन–सा निवास आवंटित करते हैं। नवरात्रि शुरू होते ही पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपना सरकारी आवास खाली कर दिया। नई मुख्यमंत्री आतिशी अपने सामान के साथ वहां रहने चली गईं। अब बताया गया है कि एलजी ने उन्हें ये मकान आवंटित नहीं किया था। इसलिए उनका प्रवेश अवैध था। अब संभव है कि एलजी वही मकान आतिशी को आवंटित कर दें। तब वे वहां रह सकेंगी (अन्यथा जो मकान आवंटित होगा, वहां उन्हें रहना होगा)। इस तकनीकी आधार पर मुख्यमंत्री को उस मकान से बेदखल कर दिया गया है। कहा जाएगा कि दिल्ली की विशेष परिस्थिति है। यह पूर्ण राज्य नहीं है।

मगर क्या किसी केंद्र शासित प्रदेश में भी विशाल बहुमत से निर्वाचित पार्टी के विधायक दल नेता के साथ तकनीकी आधार पर ऐसा बर्ताव लोकतांत्रिक मान्यता और मर्यादा के अनुरूप है? जम्मू–कश्मीर में मुख्यमंत्री बनने जा रहे उमर अब्दुल्ला को इस घटना में अपना भविष्य जरूर नजर आया होगा। आखिर केंद्र ने नए प्रावधानों के साथ केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर में निर्वाचित सरकार की हैसियत दिल्ली सरकार जैसी ही बना दी है। अब चूंकि यह पैटर्न बन गया है, तो कभी किसी राज्य और वहां की निर्वाचित सरकार को ऐसी हैसियत में पहुंचाने की आशंका ठोस रूप से मौजूद है। इस हाल में भारतीय लोकतंत्र एवं संघवाद को लेकर क्या समझ बनाई जानी चाहिए, बेशक यह आज एक मौजूं सवाल बन गया है।

प्रभास का फैंस को रिटर्न गिफ्ट, द राजा साब का मोशन पोस्टर आउट, डबल रोल में धमाल मचाएंगे रिबेल स्टार

साउथ सुपरस्टार प्रभास अपने 45 वां बर्थडे के मौके पर उन्होंने अपने फैंस को जबदस्त रिटर्न गिफ्ट दिया है. प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म द राजा साब का मोशन पोस्टर रिलीज किया है. हाल ही में मेकर्स ने अनाउंस किया था कि वे प्रभास के बर्थडे पर कुछ खास लाने वाले हैं. जिसके बाद फैंस एक्साइटेड हो गए और अब फाइनली प्रभास ने फैंस का इंतजार खत्म कर दिया है. प्रभास की द राजा साब के मेकर्स ने मोस्ट अवेटेड फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है. इसमें प्रभास का अलग और नया अवतार देखने को मिल रहा है. पोस्टर में प्रभास एक सिंहासन पर बैठे हुए हैं. उनका लुक अब तक की उनकी फिल्मों से बिल्कुल अलग और नया है. मेकर्स ने पोस्टर रिलीज करते हुए लिखा, रॉयल बाय ब्लड, रिबेल बाय चॉइस, वो उसे लेकर रहेगा जो हमेशा से उसका था.

जैसे ही प्रभास का यह पोस्टर रिलीज किया गया फैंस ने कमेंट करना शुरू कर दिया. सबसे ज्यादा फैंस ने इस बात पर ध्यान दिया कि क्या इस फिल्म में प्रभास डबल रोल में होंगे. एक यूजर ने कमेंट किया, डबल रोल वाह क्या बात है. एक ने लिखा, क्या प्रभास दादा और पोते का रोल प्ले कर रहे हैं. एक फैन ने कमेंट किया, क्या लुक है रिबेल स्टार आलवेज रॉक. एक ने लिखा, हैप्पी बर्थडे प्रभास, क्या गिफ्ट दिया है आपने.

डायरेक्टर मारुति ने एक्स पर बताया था कि वे जल्द ही द राजा साब से कुछ स्पेशल शेयर करने वाले हैं.

52 पर 2 विकेट से 53 पर सिमट गई पूरी टीम, 1 रन और 8 खिलाड़ी लौटे पवेलियन

नईदिल्ली, साल 2024 में अब तक क्रिकेट जगत में एक से एक ऐसे मुकाबले देखने को मिले हैं, जिनमें अचानक से काफी कुछ ऐसा हुआ जिससे पूरे मैच का रुख ही पलट गया। हाल में भारतीय टीम बेंगलुरु में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच मुकाबले में अपनी पहली पारी में सिर्फ 46 के स्कोर पर सिमट गई थी। वहीं अब ऐसा ही कुछ नजारा ऑस्ट्रेलिया के डोमेस्टिक वन–डे कप टूर्नामेंट में देखने को मिला है, जिसमें वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और तस्मानिया के बीच पर्थ के वाका ग्राउंड में खेले गए मैच में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम एक समय 2 विकेट के नुकसान पर 52 रन बना चुकी थी, लेकिन 53 के स्कोर पर पूरी टीम सिमट गई। साल 2024 में अब तक क्रिकेट जगत में एक से एक ऐसे मुकाबले देखने को मिले हैं, जिनमें अचानक से काफी कुछ ऐसा हुआ जिससे पूरे मैच का रुख ही पलट गया।

पेन ने वार्नर की टेस्ट टीम में वापसी को नकार दिया

नई दिल्ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने डेविड वार्नर की भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज से पहले टीम में वापसी की पेशकश को हंसी में उड़ा दिया है, जबकि जोश इंगलिस का उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने का समर्थन किया है।

जून में पुरुष टी20 विश्व कप के बाद वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन उन्होंने यह खुलासा करके हलचल मचा दी कि वह संन्यास से बाहर आने के लिए उपलब्ध हैं और इसके लिए उन्होंने टीम थिंक–टैंक से संपर्क किया है।पीठ की सर्जरी के बाद कैमरून ग्रीन के टीम से बाहर होने और स्टीव स्मिथ के चौथे नंबर पर वापस आने के साथ, भारत के खिलाफ पांच मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज से पहले ख्वाजा के साथ जोड़ी बनाने के लिए एक जगह खाली हो गई है।

पेन ने एसईएन रेडियो पर कहा, डेविड रिटायर हो चुका है, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए अगला शील्ड गेम या कोई और टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेगा। जब वह रिटायर हुआ, तो यह स्पष्ट था। लेकिन उसके पास जो है, वह है कुछ कहने और लोगों द्वारा उस पर चुटकी लेने की बेहतरीन कला, इसलिए उसे बधाई।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसने सभी को खूबसूरती से खेला है। वह खुद कहता है, मैंने जॉर्ज (बेली) और एंड्रयू मैकडोनाल्ड दोनों को चुपके से मैसेज किया है। वह कहता है कि वह बहुत गंभीर है, लेकिन वह बहुत गंभीर नहीं है।

उन्हें यह भी लगता है कि खुद को खबरों में बनाए रखने की वार्नर की क्षमताएं ब्रॉडकास्टर फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंटेटर के रूप में उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेंगी। खबरें बनाने में उनके पास बहुत हुनर है, इसीलिए उन्होंने फॉक्स के साथ करार किया है।वह कमेंट्री बॉक्स में बहुत बढ़िया प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वह मौका देने के लिए तैयार रहते हैं और वह वही कहते हैं जो वह सोचते हैं। और दूसरा, वह वॉर्नी की तरह हैं, जो कुछ भी वह कहते हैं, वह सुर्खियाँ बन जाता है। वह रिटायर हो चुके हैं। यह हो चुका है। यह सब खत्म हो चुका है। हम इसके बारे में चिंता करना छोड़ सकते हैं।

एक्टिंग में ही नहीं बेहतरीन आवाज में भी माहिर है टीवी की देसी गर्ल समृद्धि शुक्ला

टीवी जगत में कई एक्ट्रेस ऐसी भी है जो सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने स्पेशल टैलेंटेड के लिए भी लोगों के बीच मशहूर हैं। उन्हीं में से एक हैं टीवी की देसी गर्ल के नाम से फेमस समृद्धि शुक्ला, जिन्हें अपनी बेहतरीन आवाज के चलते जबरदस्त नेम फेम मिला है। समृद्धि शुक्ला भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री ही नहीं बल्कि वॉयस ओवर आर्टिस्ट भी हैं। उन्होंने ब्रह्मास्त्र फिल्म के ओटीटी वर्जन के लिए आलिया भट्ट के लिए अपनी आवाज दी थी। इतना ही नहीं वह रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म एनिमल के लिए भी काम कर चुकी हैं। टीवी एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है की अभिरा बन दर्शकों के बीच छाई हुई हैं।

टीवी एक्ट्रेस बनाने के पहले समृद्धि शुक्ला एक पॉपुलर वॉयस ओवर आर्टिस्ट बन इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकी हैं। वहीं इन दिनों अपनी वह अपनी शानदार एक्टिंग के लिए लाइमलाइट में बनी हुई हैं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को जिसने अपनी आवाज दी है वह कोई और नहीं बल्कि समृद्धि शुक्ला ही हैं। दरअसल, ओटीटी पर मौजूद एनिमल के इंग्लिश वर्जन में तृप्ति डिमरी को समृद्धि शुक्ला ने अपनी आवाज दी है। इस बात का खुलासा एक्ट्रेस ने खुद किया था। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए बताया था, नेटफ्लिक्स पर एनिमल के इंग्लिश वर्जन में मेरी आवाज सुनाने के लिए हो जाए तैयार, भाभी 2 तृप्ति डिमरी के किरदार में पेश है समृद्धि की आवाज...

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला को उनके फैंस उन्हें टीवी की देसी गर्ल भी कहते हैं क्योंकि वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी देसी फोटोज और वीडियोज भी शेयर करती हैं।

बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा की हालत पस्त

आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह दर्शकों की कसौटी पर खरी नहीं उतरीं। यही वजह है कि पहले ही दिन से फिल्म टिकट खिडक़ी पर संघर्ष कर रही हैं।पिछले कुछ दिनों से इस फिल्म की दैनिक कमाई में काफी उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है, जो लाखों में सिमट गई है।अब जिगरा की कमाई के 12वें दिन का आंकड़े सामने आ गए हैं, जो अब तक का सबसे कम कारोबार है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने अपनी रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 28.40 करोड़ रुपये हो गया है।

यशस्वी जायसवाल ने छुआ नया मुकाम

नईदिल्ली, यशस्वी जायसवाल टीम इंडिया के युवा खिलाडियों में सबसे ज्यादा काबिल बल्लेबाज माने जाते हैं। वे इसे कई बार साबित भी कर चुके हैं। ये बात और है कि जायसवाल इस वक्त न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली जा रही तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी तक बल्ले से वो कमाल नहीं दिखा सके हैं, जिसके लिए वे जाने और पहचाने जाते हैं। इस बीच उनके बल्ले से बहुत ज्यादा रन तो नहीं आ रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी इस साल यानी 2024 में उन्होंने एक नया मुकाम जरूर छू लिया है। हालांकि वे एबी डिविलियर्स और एलिस्टर कुक का पीछे करने से चूक गए।यशस्वी जायसवाल ने इस साल टेस्ट क्रिकेट में अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनके पास मौका था कि वे एबी डिविलियर्स और एलिस्टर कुक को पीछे करते। अगर बात 23 साल पूरे करने से पहले एक कैलेंडर साल में 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो उसमें जायसवाल का नाम भी अब जुड़ गया है। वैसे अगर एक साल में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनने वाले बल्लेबाज की बात करें तो यहां पर गैरी सोबर्स का नाम आता है। उन्होंने साल 1958 में ये काम किया था। यहां हम केवल उन्हीं बल्लेबाजों की बात कर रहे हैं, जिनकी उम्र उस वक्त 23 साल से कम थी।साल 2003 में ये कारनामा साउथ अफ्रीका के ग्रीन स्मिथ ने किया था। तब उनकी उम्र 23 से कम थी और उन्होंने एक कैलेंडर साल में 1000 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए थे। उनके नाम उस साल 1198 रन थे। साल 2005 में एबी डिविलियर्स ने अपनी टीम के लिए टेस्ट मैच खेलते हुए 1008 रन बनाने में कामयाबी हासिल की थी। इंग्लैंड के एलिस्टर कुक ने साल 2006 में 1013 रन बनाए थे।

एक नजर

चित्रकला में श्रुति, राशि, सोनाली रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : खिर्सू ब्लॉक सभागर में शुक्रवार को प्रसिद्ध चित्रकार बी. मोहन नेगी की सातवीं पुण्य तिथि पर स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने उनके बहुआयामी कला को प्रेरणादायक और संग्रहणीय बताते हुए पौड़ी शहर में संग्रहालय का नाम उनके नाम पर रखे जाने की मांग की। समारोह में तीन वर्गों में आयोजित स्थानीय स्कूलों की चित्रकला प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। सीनियर वर्ग में श्रुति नेगी ने पहला, अंजलि रावत ने दूसरा और आइसा ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में राशि प्रथम, नंदनी द्वितीय और आरुषी तृतीय स्थान पर रही। प्राइमरी वर्ग में सोनाली रावत पहले, काव्या नेगी दूसरे व अनुज कुमार तीसरे स्थान पर रही।

शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी खिर्सू शिव सिंह भंडारी ने कहा कि कला के क्षेत्र में उनका कार्य उच्च कोटि का रहा है। उनकी इस कलानिधि की वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण की आवश्यकता है। कहा कि सरल स्वभाव व धनी व्यक्तित्व वाले बीमोहन नेगी के कार्यों से भावी पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और सरकार को भी उनकी कला कृतियों को संरक्षित करने की दिशा मेंकार्य करना चाहिए। समारोह में वक्ताओं ने चित्रकार बीमोहन नेगी के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों को याद किया और कहा कि उनके द्वारा रेखांकन, कविता पोस्टर, कोलॉज, भोजपत्र पर चित्रकारी, व्यंगचित्र, फोटोग्राफी, पेपरमैस पर कलाकार्य, गढ़वाली साहित्य का संग्रहण व साहित्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों को लोगों के बीच सुलभ कराए जाने के लिए सरकार द्वारा विशेष कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। साहित्यकार नरेंद्र कठैत की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में चित्रकार बीमोहन नेगी की धर्मपत्नी कल्पेश्वरी नेगी, प्रदीप रावत, योगेंद्र रावत, जर्नादन डबराल, मनमोहन रावत,देवी सिंह, आयुष रावत, केशर सिंह असवाल, कैलाश शाह, एके सिंह, रुचि नेगी आदि शामिल रहे।

बैंक मैनेजर की 51 लाख रुपये में खरीदी जमीन पर किया कब्जा

देहरादून। बैंक मैनेजर की अजबपुर स्थित जमीन पर पूर्व में जमीन के मालिक रहे व्यक्ति ने कब्जा कर लिया। आरोप है कि कब्जा खाली कराने का प्रयास करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। मामले में नेहरू कॉलोनी थाने में चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। घटनाक्रम इंडियन बैंक के मैनेजर अजबपुर कलां निवासी बलवीर सिंह के साथ हुआ। बलवीर सिंह का कहना है कि उन्होंने 16 नवंबर 2023 को प्रदीप सकलानी से अजबपुर खुर्द क्षेत्र में 125.74 वर्गमीटर का प्लाट खरीदा था। उन्होंने प्लाट के बदले 50.81 लाख रुपये की राशि चेक, डिमांड ड्राफ्ट और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से प्रदीप को दी थी। बलवीर का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज होने के बावजूद कुछ समय बाद विनोद कन्सवाल ने उनकी जमीन पर जबरन अपना बोर्ड लगाकर कब्जा करने की कोशिश की। बलवीर ने बताया कि जब उन्होंने इस मामले में प्रदीप से बात की तो प्रदीप ने उन्हें धमकाते हुए अपने प्रभाव का हवाला दिया और कहा कि वह जेल से बेल पर बाहर है। बलवीर सिंह के अनुसार जब उन्होंने विरोध किया तो विनोद कन्सवाल ने अपने साथी ब्रजभूषण पांडे के माध्यम से उन्हें धमकी दी। बलवीर का दावा है कि विरोध करने पर उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी मिल रही है और उनके पीछे अजनबी लोग लगाकर डराने का प्रयास भी किया जा रहा है। आरोप है कि विनोद पूर्व में इस जमीन का मालिक रह चुका है। जिसे उसने बेच दिया था।

इंस्टाग्राम पोस्ट देख दो गुनी कमाई के झांसे में गंवाए 1.65 लाख

देहरादून। सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक विज्ञापन पोस्ट देखकर उसमें दिए गए लिंक के जरिए एप डाउनलोड करना दंपति को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों के निवेश कर कमाई के झांसे में दंपति 1.65 लाख रुपये गंवा बैठे। बंगाली कोठी, टिहरी नगर निवासी बबीता नौटियाल और उनके पति राहुल नौटियाल साइबर ठगी के शिकार हुए हैं। बबीता ने बताया कि उन्हें इंस्टाग्राम पर रिमोवा नामक ऐप का लिंक मिला। जिस पर निवेश के बदले रकम दोगुना करने का लालच दिया और इसके लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर कई बार पैसा ट्रांसफर कराया। बबीता ने शुरुआत में 630 रुपये का लेन–देन किया। रकम बढ़कर वापस भी आई। इसके बाद, उन्होंने ऐप पर भरोसा कर 64,610 रुपये अपने यूनियन बैंक खाते से और 22,000 रुपये अपने पति के कोटक महिंद्रा खाते से ट्रांसफर किए।

एनएसयूआई ने फूंका उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला

प्रदेश के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव स्थगित होने पर रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव स्थगित होने पर एनएसयूआई ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला दहन करते हुए इसे गैर जिम्मेदा-राना रवैया बताया। कहा कि छात्रों के हितों को लेकर सरकार लापरवाह बनी हुई है।

शुक्रवार को पदाधिकारियों ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रवेश द्वार के समीप पुतला दहन किया। कहा कि प्रतिवर्ष महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में बेहतर तरीके से चुनावी प्रक्रिया संपन्न करवाई जाती है। लेकिन, जब से प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है किसी न किसी तरह से महाविद्यालय व विश्वविद्यालय में चुनावी प्रक्रिया को खत्म किया जा रहा है। कहा

कोटद्वार के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रवेश द्वार पर उच्च शिक्षा मंत्री का पुतला दहन करते छात्र

कि कालेज स्तर में होने वाले चुनाव से ही विद्यार्थियों को प्रदेश व देश की राजनीति को जानने का मौका मिलता है। ऐसे में सरकार की लापरवाही दिखाती है कि वह छात्रों की हितों को लेकर कितने लापरवाह हैं।

कहा कि सरकार को छात्रसंघ चुनाव करवाने के लिए कोई रास्ता निकालना चाहिए। अन्यथा छात्र संगठन आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री राजा आर्य, भाष्कर प्रजापति, मंदीप सिंह, मनोज शाह, मनोज बिष्ट, अमन जोशी, अयान, हैदर, पवन नेगी, अविनाश, शैलेंद्र रावत, आकृति भंडारी आदि मौजूद रहे।

कांवेंट स्कूल ने जीता क्रिकेट का फाइनल मुकाबला

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : स्व. राजेश भारद्वाज की स्मृति में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला कांवेंट के नाम रहा। इस दौरान प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

आयोजित क्रिकेट मैच के अंतिम दिन का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण, बलूनी ग्रुप आफ एजुकेशन के मैजेजिंग डायरेक्टर विपिन बलूनी, मैनेजिंग डायरेक्टर अभिलाषा भारद्वाज ने दीप प्रज्जवलित कर किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अंतिम मुकाबला एमकेवीएन व सेंट जोसेफ कांवेंट के मध्य खेला गया। कांवेंट ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। एवीएन ने 13 ओवर में दस विकेट के नुकसान पर 58 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए कांवेंट की टीम ने मात्र नौ ओवर में ही जीत दर्ज कर ली। जिसमें अक्षित शर्मा ने 13 गेंदों में 17 रन बनाकर व 3 ओवर्स में 15 रन देखते 3 विकेट लिए। अक्षित को मैन आफ द मैच रखा गया।

नयार उत्सव : गंगा नदी में राफ्टिंग रही आर्कषण का केंद्र

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : व्यासघाट के बागी गांव में नयार उत्सव के दूसरे दिन विभिन्न रोमांचक खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने बड़ी उत्साह के साथ भाग लिया। वहीं बीते बुधवार की रात्रि को बागी गांव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। गंगा नदी में राफ्टिंग के आयोजन ने भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। शुक्रवार को साहसिक खेल प्रतियोगिता में शामिल राफ्टिंग दलों को विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने उमरासू से हरी झंडी दिखाकर व्यास घाट के लिए रवाना किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से पौड़ी को देश-प्रदेश के अलावा विदेशों में भी अलग पहचान मिलेगी। इसके साथ ही नयार नदी में क्याकिंग और वॉटर स्पोर्ट्स की रोमांचक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। जहां प्रतिभागियों ने अपनी साहसिक क्षमताओं का परिचय दिया। नयार उत्सव में प्रतिभाग कर रहे फिशिंग गाइडों, राफ्टिंग दल, क्याकिंग और स्थानीय लोगों ने स्थानीय प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्ग दर्शन में कराए जा रहे साहसिक गतिविधियों से जिले को एक अलग पहचान मिलेगी। जिससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से हर साहसिक गतिविधियों को बेहतर ढंग से आयोजित किया जा रहा है ।

भगवान राम ने वानरों के साथ लंका में

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सतपुली में चल रही रामलीला के दसवें दिन भगवान राम द्वारा वानरों के साथ लंका में कूच करने का मंचन किया गया। इस दौरान रामलीला देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी थी। नयारघाटी रामलीला कमेटी की ओर से आयोजित रामलीला रामलीला मंचन का शुभारंभ डा. रुद्र सिंघल व पूर्व ब्लाक प्रमुख सुरेंद्र सिंह रावत ने रिबन काटकर किया। इसके उपरांत प्रिंस गुसाई व प्रिंस भट्ट की ओर से बदरीनाथ भगवान की आरती की गई। मंच के दौरान हनुमान जी सीता की खबर लेकर वापस लंका से लौटते हुए। इसके बाद भगवान राम, लक्ष्मण, हनुमान वानर सेना के साथ लंबा पहुंचने के लिए समुद्र में पुल का निर्माण करते हुए। साथ ही सभी लंका कूच करते हुए जहां भंकर युद्ध होता है। इसी दौरान विभीषण रावण को सीता को छोड़ने के लिए भी समझाता है। लेकिन, वह उल्टा विभीषण को लंका से बाहर कर देते हैं। जिसके बाद विभीषण भगवान राम की

रामलीला में मंचन करते कलाकार

शरण में पहुंच जाता है। युद्ध के दौरान तीर लगने से लक्ष्मण बेहोश हो जाते हैं। हनुमान जी संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा करते हैं। रामलीला के मंचन में राम के पात्र के रूप में नैतिक चंदोला, लक्षमण आर्यन पाल, सीता गौरांग लिंगवाल, हनुमान पवन शर्मा, मेघनाथ प्रशांत शर्मा व सुग्रीव का प्रिंस गुसाईं कर रहे हैं। इस दौरान समिति के अध्यक्ष जयदीप नेगी, उम्मेद सिंह रावत पूर्व प्रधानाचार्य, प्रबंधक मनीष रौंतेला, कोषाध्यक्ष लोकेश वर्मा, निर्देशक सुनील डंडरियाल, होशियार सिंह बिष्ट, सचिव मनीष खुगशाल स्वतंत्र, मिडिया प्रभारी डब्बल सिंह मिया, संरक्षक प्रेम सिंह रावत, मीना लिंगवाल, गीता रावत, हरी प्रधान, सुरेश प्रधान, प्रशांत बौंठियाल आदि मौजूद रहे।

प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग बंद हो

देहरादून। प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग बंद होना चाहिए। इसके जरूरत के हिसाब से इस्तेमाल में ही पूरी दुनिया की भलाई है। ये बात पदभूषण पर्यावचरणविद व हेस्को के संस्थापक डा. अनिल जोशी ने शुक्रवार को उत्तरांचल विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज में आयोयजित राष्ट्रीय सेमिनार इनोसस्टेन के उद्घाटन अवसर पर कही। वहीं आगे बोलते हुए डा. जोशी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के उपभोग और उनके संरक्षण में सहयोग के मध्य संतुलन बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर होने वाली सेमिनार व गोष्टियां और शिक्षा संस्थानों व पर्यावरणविदों के प्रयास तब फलीभूत होंगे, जब नीति निर्माता, आम जनता और सरकारें इन्हें गंभीरता से लेगें। प्रो. सती ने इस बात पर चिन्ता जताई कि हिमालय क्षेत्रों में एक बड़े भूकम्प को लाने में सक्षम ऊर्जा का भण्डारण हो रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई–टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	215-DRM-MB-24-25, dt. 25.10.2024
कार्य का नाम	Providing 4G GPS tracker based personal tracking device with 4G (M2M) SIM, along with operation & maintenance for a period of 2 years over Moradabad Division.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	09.11.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	14:00 hrs.
अनुमानित लागत	रु. 78,42,331.63
धरोहर राशि	रु. 1,56,900.00
टेन्डर फार्म की लागत	शून्य
कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	26.10.2024

सं.: 75/W/2/3/WA/DEN/Track/T. Notice दिनांक: 25.10.2024 3317/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा रेल कोच रेस्टोरेंट, बैटरी ऑपरेट व्हीकल, ई–वी चार्जिंग कम पार्किंग, हेल्थ एटीएम कीओस्क एवं वाणिज्य विज्ञापन के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियाँ website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 11.11.2024 एवं 12.11.2024 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3319/24

रेखा देवी बनी एसोसएिशन की अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : इंटर कालेज कांडाखाल (लंगूर) में अभिभावक एसोसिएशन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रेखा देवी को दी गई। इस दौरान बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अंक लाने वाले विद्यार्थियों की माताओं को कमला नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधक जगतराम डबराल व प्रधानाचार्य सोमप्रकाश कंडवाल ने 15 छात्र-छात्राओं की माताओं को कमला नेहरु पुरस्कार के चेक वितरित किए। वक्ताओं ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए राजकीय इंटर कालेज कांडाखाल लगातार प्रयास कर रहा है। दसवीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया था। इस दौरान अभिभावक एसोसिएशन का निर्विरोध गठन करते हुए रेखा देवी को अध्यक्ष, सोमप्रकाश कंडवाल को उपाध्यक्ष, केशव पाल सिंह रावत सचिव, प्रमोद पैंयूली को सहसचिव बनाया गया। जीवन प्रकाश डोबरियाल,

राजकीय इंटर कालेज कांडाखाल में आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

सुषमा देवी, लक्ष्मी प्रकाश कंडवाल, मोहन कंडवाल, मनोज भट्ट, बाला देवी, दिनेश रावत, रंजना देवी, यशोदा देवी, पुष्पा देवी, हसीना बेगम को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। इस मौके पर आराधना घिल्डियाल, होशियार सिंह, आशुतोष बेलवाल, रतिराम, आरती नेगी, संदीप नेगी, उमेश तोमर, नीलम बमराड़ा, गीता देवी, मधु देवी, पंकज सिंह आदि मौजूद रहे।

बैडमिंटन में मूयर नेगी ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : राजकीय पॉलीटेक्निक पौड़ी के तीन-दिवसीय वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दूसरे दिन शुक्रवार को 800 मी. दौड़ में आर्यन रौथाण पहले, मनीष रावत दूसरे, 200 मी. में दिव्यांशु पहले, आर्यन रौथाण दूसरे, लंबी कूद में नीता पहले, धृति रावत दूसरे व ऊंची कूद में ऋषभ पहले व दिव्यांशु दूसरे स्थान पर रहे। एकल वर्ग बैडमिंटन में मयूर नेगी पहले, आर्यन रौथाण दूसरे और आशीष तीसरे स्थान पर रहे।

बैजरों के करीब एक हजार परिवार पानी को तरसे

पानी के इंतजार में नल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भले मौसम कुछ सर्द हो गया हो लेकिन, पेयजल समस्या अब भी बरकरार है। बीरोंखाल ब्लॉक के अंतर्गत पूर्वी नयार नदी के तट पर स्थित व्यापारिक कस्बे बैजरो की करीब एक हजार की आबादी पिछले एक सप्ताह से पेयजल संकट से जूझ रही है। स्थिति यह है कि कस्बे में रह रहे परिवार प्राकृतिक स्रोत और नयार नदी से वाहनों में पानी ढोने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जल्द समस्या के निराकरण की मांग की है। बैजरो मुख्य व्यापारिक कस्बा है यह पौड़ी, रामनगर, कोटद्वार व गैरसैंण को जोड़ने वाला बाजार भी है। यहां के लिए जल निगम की ओर से नानस्यूं बैजरो पेयजल योजना बनी है, जिस पर हाल में ही आपदा मद से 15 लाख रुपये खर्च हुए हैं, लेकिन इसके बाद भी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मेन लाइन से कुछ लोगों ने अवैध कनेक्शन ले लिए हैं, जिससे टैंक तक पानी नहीं पहुंचने से उन्हें पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। कहा कि बैजरो बाजार क्षेत्र के लिए जल संस्थान पौड़ी की बापता बैजरो पेयजल योजना से भी न के बराबर पानी आने से ग्रामीणों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। बैजरो बाजार क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय समेत तीन अन्य विद्यालय, दो बैंक, होटल, सुलभ शौचालय भी हैं। पानी की कमी के चलते सभी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारु करने की मांग की है।

एमबीबीएस छात्रों ने दी रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज के वार्षिक कॉलेज उत्सव जील 2024 में गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार और सोशल साइंस्टिस्ट डॉ. अरुण कुकसाल ने प्रदेश के पहले मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में छात्रों की बेहतर सहभागिता पर बधाई देते हुए कहा कि वार्षिक उत्सव छात्रों का ही उत्सव है। जिसमें छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है। इस दौरान डॉ. कुकसाल ने स्वरचित परियों के देश खैट पर्वत में पुस्तक मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत को भेंट की। कार्यक्रम में एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं ने हिंदी, पंजाबी, कुमाऊंनी और गढ़वाली गीतों में नृत्य की प्रस्तुतियां देकर सभी का मनमोहा। इस दौरान प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत, डॉ. नवज्योति बोरा, डॉ. दीपा हटवाल, डॉ. पवन बद्दृ, डॉ. सुनीता पंडिता, डॉ. लक्ष्मण ने गीतों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर संकाय सदस्य एवं छात्र आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

खेल में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय ग्रामीण पालीटेक्निक थलनदी में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान खेल के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य डा. रेनू डबराल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में ओमकार, रविंद्र, रजत, किशन,

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

शुभम रावत, सौरभ, आकाश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब किशन इलैक्ट्रिकल को दिया गया। इस मौके पर आशीष कुकरेती, सुबोध परमार, दिव्यांशु, अनामिका, अनिल, शुभम रावत आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान कोटद्वार

पत्रांक 2261 / निविदा / 2024-25 दिनांक 25/10/2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

मुख्य महाप्रबन्धक महोदय, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून की ओर से विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 05.11.2024 की अपराह्न 3.00 बजे तक किसी भी कार्य दिवस में शाखा कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। यह निविदा दिनांक 06.11.2024 की अपरान्ह 3.00 बजे तक शाखा कार्यालय में जमा करायी जा सकेगी। जो कि अपरानह 3.30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेंगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	निविदा मूल्य जी0एस0टी0 सहित
1	2	3	4	5
1	सनेह नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत मनकामेश्वर नलकूप में नलकूप रिचार्ज एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	2.85	5700.00	रू0 500.00 +GST
2	रिगड्डी नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत धनेष फार्म में नलकूप में नलकूप रिचार्ज एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	2.71	4700.00	रू0 500.00 +GST
3	रिगड्डी नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत घराट नलकूप में नलकूप रिचार्ज एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	2.80	4800.00	रू0 500.00 +GST
4	रिगड्डी नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत सिताबपुर नलकूप में नलकूप रिचार्ज एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	2.85	5700.00	रू0 500.00 +GST
5	रिगड्डी नगरीय पेयजल योजना के अन्तर्गत देवी मंदिर नलकूप में नलकूप रिचार्ज एवं तत्सम्बन्धी कार्य।	2.80	4800.00	रू0 500.00 +GST

शर्तेः नियम व शर्तें किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय में देखी जा सकती है।

1- कार्य उत्तराखण्ड जल संस्थान के सहायक अभियन्ता/कनिष्ठ अभियन्ता के निर्देशानुसार करना होगा।
2- निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा।
3- कार्य पूर्ण होने के 06 माह पश्चात ही धरोहर राशि वापस की जायेगी।
4- ठेकेदार द्वारा लिफाफे पर योजना का नाम एवं ठेकेदार का पता अंकित होना अनिवार्य है।
5- निविदा क्रय करते समय विभागीय पंजीकरण की मूलप्रति प्रस्तुत करनी अनिवार्य है, जिसके अभाव में निविदा निर्गत नहीं की जायेगी।
6- निविदा प्रपत्र पर आयकर विभाग द्वारा जारी जी0एस0टी0 नं0 अंकित करना अनिवार्य होगा।
7- अधोहस्ताक्षरी को निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार होगा।
8- धरोहर धनराशि के अभाव में निविदा निरस्त मानी जायेगी।
9- सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
10- कार्यस्थल का निरीक्षण करने के उपरान्त ही निविदा क्रय करें।
11- निविदादाता को नलकूप के खनन एवं तत्सम्बन्धी कार्यों का अनुभव होना आवश्यक है।
12- कार्य हेतु शेष शर्तें निविदा प्रपत्र पर दी गई शर्तों के अनुसार होगी।

अधिशासी अभियन्ता

(0518/59)

एक नजर

पेयजल उपभोक्ताओं को एसएमएस नहीं भेजने पर उठाए सवाल

देहरादून। पेयजल निगम मेंहूवाला में उपभोक्ताओ के रजिस्टर नम्बर पर एसएमएस के माध्यम से पानी के बिल की सूचना उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता वीरु बिष्ट ने पेयजल निगम इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की है। उनके मुताबिक अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह योजना लागू नहीं हो पा रही। उन्होंने बताया कि सूचना का अधिकार में जब इस सुविधा के बाबत जानकारी मांगी गई तो पता चला कि विभाग को एसएमएस के माध्यम से भी उपभोक्ताओं को पानी के बिल की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रावधान है मगर विभाग इस तरह का कोई सॉफ्टवेयर ही नहीं बना सका है। इस सम्बंध में एई अनंत भदोला ने बताया कि जल्द ही यह सुविधा लागू की जाएगी।

बीएसएनएल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

देहरादून। बीएसएनएल इंपलाइज यूनियन ने विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को पटेलनगर स्थित कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग की है। कर्मचारियों ने वेतन और पेंशन संशोधन का समाधान करने, बीएसएनएल की 4जी और 5जी सेवाओं को शुरू करने, कांट्रेक्ट वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन लागू करने, ईपीएफ और ईएसआई का लाभ देने की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में अध्यक्ष जेपी कोठारी, परिमंडल अध्यक्ष केएस सोन, देवेंद्र सिंह बिष्ट, केएल चमोली, हुकुम सिंह, पूरन सिंह बिष्ट, जगदंबा प्रसाद, प्रदीप, रविना, रतन सिंह नेगी, विरेंद्र सिंह रौतेला, पुष्पा मतीलिया, उमेश, संजय शर्मा, रेखा, मंजू सैनी, भरत सिंह आदि मौजूद रहे।

युवा संसद का आयोजन कर गिनाई समस्याएं

रुड़की। चौधरी भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं द्वारा युवा संसद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कॉलेज प्रधानाचार्य ओम सिंह सैनी ने कहा कि राजनीति के सहारे समाज सेवा की जा सकती है। उन्होंने राजनीति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभ, संसद गठन और कार्रवाई आदि के बारे में बताया। इसके साथ ही संसद के बारे में विस्तार से छात्र छात्राओं को बताया। इसके बाद संसद का आयोजन किया गया। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका वंशिका, प्रधानमंत्री की भूमिका शिवानी ने, नेता प्रतिपक्ष की भूमिक मोनिका, वंदना ने गृह मंत्री, शिक्षा मंत्री की भूमिका में मानसी ने निभाई। इस दौरान युवा संसद में देश में बढ़ती महंगाई, देश के किसानों की समस्या के साथ–साथ समय–समय पर असामाजिक तत्वों द्वारा देश का माहौल खराब करने आदि पर चर्चा की गई। इस अवसर पर एनसीसी कैप्टन सुशील कुमार, संदीप, अमित कंबोज तथा सत कुमार आदि उपस्थित रहे।

नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा क्वलिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अंतर्गत नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में संपन्न हुआ।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला स्तरीय टीम द्वारा प्रतिभागियों को जनपद की समस्त चिकित्सा इकाइयों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, रोगियों के उपचार की गुणवत्ता को बढ़ाए जाने के तरीकों के बारे में बताया गया। इसके साथ ही बायो मेडिकल वेस्ट के सही तरीके से निस्तारण, चिकित्सालयों में स्वच्छता के साथ ही इनफेक्शन से बचाव आदि विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। अपर मुख्य

चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य जनपद की सभी चिकित्सा इकाइयों में क्वालिटी एश्योरेंस के मानकों के अनुसार गुणवत्ता पूर्वक सेवाएं प्रदान किए जाने हेतु चिकित्साधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाना है। क्वालिटी एश्योरेंस के तहत चिकित्सा इकाइयों का समय-समय पर निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार असेसमेंट कर स्वास्थ्य सुविधाओं का आंकलन किया जाता है। असेसमेंट जिला एवं राज्य स्तर के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर कराए जाते हैं, जिसमें भारत सरकार द्वारा मानकों पर खरा उतरने वाली चिकित्सा इकाइयों को पुरस्कृत करने के साथ ही निश्चित धनराशि प्रदान की जाती है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. शुभम बंगवाल और स्मृति शाह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया इस दौरान डॉ. अमित मेहरा, डॉ. आशीष गुसाईं, डॉ. शैलेन्द्र रावत के साथ ही सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों, स्टाफ नर्स व सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

ब्लॉक स्तरीय क्विज में राइंकॉ डडोली ने मारी बाजी

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : विकासखंड थलीसैंण के अटल उत्कृष्ट एन.एस.पी.एस. नेगी राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैण में ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज डडोली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राइंका डडोली की टीम आगामी 6 नवंबर को मैसमोर इंटर कॉलेज पौड़ी में जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।क्विज प्रतियोगिता में विकासखंड के 30 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अखिलेश घिल्डियाल प्रवक्ता अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज चौरीखाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात् छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। इस मौके पर ब्लॉक क्विज

समन्वयक एवं विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य रघुबीर सिंह रावत ने छात्रों को क्विज के नियम बताएं। साथ ही छात्रों का मनोबल बढ़ाया। क्विज प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में राजकीय इंटर कॉलेज डडोली ने प्रथम, दुर्गा इंटर कालेज कल्याण खाल द्वितीय, राजकीय इंटर कॉलेज मासौ तृतीय एवं राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैण चौथे स्थान पर रहा। इस दौरान प्रतियोगिता के विजेतओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर पदमेंद्र रौथाण, धमेंद्र गुसांई, वर्धन सिंह राणा, अरविंद चौहान, कमलेश कुकरेती आदि मौजूद रहे।

मंत्री डॉ0 प्रेम चन्द अग्रवाल ने की पुनर्गठन विभाग तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों संग समीक्षा बैठक

देहरादून। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के पश्चात से ही उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के बीच परिसम्मपत्तियों के बंटवारे को लेकर बातचीत तथा बैठकें समय–समय पर आयोजित की जाती रही हैं। इसी कड़ी में आज भी परिसम्मपत्तियों को लेकर पुनर्गठन से जुड़े हुए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

पुनर्गठन मंत्री ने कहा कि मुख्यतः वन, सिंचाई, ऊर्जा और सहकारिता विभाग से संबंधित परिसम्मपत्तियों के संबंध में चर्चा की गई। जिसमें सहकारिता विभाग के अंतर्गत यह पाया गया कि उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तराखण्ड को लगभग रूपये 10 करोड़ 44 लाख की धनराशि देय है जबकि उत्तराखण्ड द्वारा उत्तर प्रदेश को लगभग रूपये 03 करोड़ 33 लाख की धनराशि देय है जिस हेतु दोनों राज्य में सहमति बनी है। मंत्री ने कहा कि ऊर्जा से संबंधित मामला मा0 सुप्रीम कोर्ट में लंबित है जिसपर मा0 सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि कृषि के अंतर्गत लगभग रूपये 01 करोड़ 13 लाख की धनराशि उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तराखण्ड को दिये जाने पर उत्तर प्रदेश द्वारा सहमति दी गई है। पुनर्गठन मंत्री ने कहा कि वन तथा सिंचाई के कुछ मामलों में बातचीत अभी लंबित है जिस पर विभागीय सचिव स्तर पर आगामी 10 दिनों के भीतर बैठक कर मामलों का निष्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिव स्तर पर बैठक आयोजित कर लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्तारण कर लिया जाए।

मकान बेचने की डील कर 12 लाख से अधिक की ठगी का आरोप

देहरादून। देहराखास टीएचडीसी कॉलोनी में जमीन बेचने की डील कर 12.21 लाख रूपये ठग लिए गए। आरोपी दंपति ने रकम लेकर मकान किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। ठगी की पीड़ित महिला ने एसएसपी कार्यालय में तहरीर दी। जिस पर पटेलनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धोखाधड़ी रेखा डोरा निवासी घोसी गली के साथ हुई। आरोप है कि मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश के निवासी मसूद अहमद और उनकी पत्नी फराह ने घर बेचने के नाम पर धोखाधड़ी की। रेखा डोरा के मुताबिक जनवरी 2020 में मसूद अहमद और फराह ने उनसे संपर्क कर टीएचडीसी, देहरादून में एक दो—मंजिला मकान बेचने की बात कही। दोनों पक्षों के बीच 33 लाख रूपये में मकान का सौदा तय हुआ। रेखा का कहना है कि उन्होंने मकान खरीदने के लिए पंजीकृत अनुबंध पत्र तैयार करवाया। इसके बाद पीड़िता ने फराह और उनके पति पर विश्वास कर कुल 12.21 लाख रूपये दे दिए। रजिस्ट्री की तिथि 31 मार्च 2020 तय की गई थी। जिसे बाद में 31 मार्च 2023 तक बढ़ाया गया।

पशुओं को छोड़ने वालों पर अर्थदंड के साथ होगा सजा का प्रावधान : अंथवाल

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र अंथवाल ने शुक्रवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में जनपदीय निराश्रित गोवंश समिति की बैठक ली। बैठक में जनपद में संचालित, निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित गौशालाओं की प्रगति, गौवंश की ईयर टेगिंग, सड़कों पर विचरण करने वाले गौवंश के गले में रेडियम बेल्ट लगाए जाने, गौवंश के प्रति अपराध रोकने हेतु पुलिस द्वारा की जा रही कार्यवाही के संबंध में चर्चा की गई।

कहा कि सरकार कानून बनाने जा रही है जिसमें पशुओं को छोड़ने वालों पर अर्थदण्ड के साथ सजा का प्रावधान किया जाएगा। कहा कि अभी केवल 2 हजार का जुर्माना लगाया जाता है।गो सेवा आयोग के

अध्यक्ष ने सभी नगर निकायों तथा जिला पंचायत को गोशालाओं के निर्माण पर तेजी लाने, सड़क पर विचरण करने वाले गौवंश के गले पर रेडियम बेल्ट लगाने, पशु क्रूरता की शिकायतों पर पुलिस को तुरन्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कहा कि गौशाला निर्माण में जिला पंचायत स्तर पर कम काम को लेकर जिला पंचायत अधिकारी को हर ब्लॉक में आने वाले 25 वर्षों के हिसाब से गौशाला निर्माण करने को कहा। जो निर्माणाधीन गौशालाएं हैं उनका लोकार्पण किया जाएगा। जहां संस्थाएं चयनित नहीं की गयी हैं वहां संस्थाए चयनित की जाएं। जिससे गौशालाएं उनके सुर्पुद की जा सके और गोवंश को सुचारू रूप से सुविधा मिल सके।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने गो ग्राम सेवक योजना बनायी गयी है, जिसमें पांच नन्दी पालने पर पशुपालक को प्रतिमाह 12 हजार रूपये मिलेंगे। इसके लिए पशुपालक को पशुपालन विभाग में पंजीकरण कराना होगा। मुख्य विकास अधिकारी नन्दन कुमार ने सभी एसडीएम को ईओ के माध्यम से निराश्रित गोवंश को रेडियम बेल्ट लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कार्मिक ईवीएम एवं वीवीपैट्स के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें : गहरवार

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : केदारनाथ विधानसभा उप निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांतिपूर्वक ढंग से संपादित कराने के लिए कार्मिकों को उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी एवं कार्मिक को घबराने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी प्रकार की समस्या के लिए उन्हें एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा सकता है। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित कार्मिकों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सभी कार्मिक निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराने में दक्ष हैं। जिन्होंने विगत लोकसभा निर्वाचन को सकुशल एवं सफलता से संपादित कराया गया है। इसी तरह इस उप निर्वाचन को भी निष्पक्ष एवं

पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने में अपना पूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने ईवीएम प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्मिकों से कहा कि सभी कार्मिक ईवीएम एवं वीवीपैट्स के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लें, ताकि मतदान के दौरान किसी तरह की कोई समस्या न होने पाए। इस अवसर पर उन्होंने कार्मिकों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का स्वयं परख कर जायजा लिया तथा नोडल अधिकारी खानपान को निर्देश दिए हैं कि भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी उन्हें जो प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है उसे भली-भांति ग्रहण करें, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया संपादित करते समय किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि उप निर्वाचन को सफलता पूर्वक सम्पादित कराने के लिए प्रथम प्रशिक्षण के दूसरे दिन 260 कार्मिकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया। जिसमें प्रथम मतदान अधिकारी तथा यूनिक बूथ, पिंक बूथ एवं दिव्यांग बूथ के कार्मिक शामिल है। उन्होंने बताया कि अब तक 531 कार्मिकों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। इनमें पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, सेक्टर व जोनल अधिकारी रिटर्निंग अधिकारी तथा नोडल अधिकारियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है।

दो महिला तस्कर 50 लाख रुपये की स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून। एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने दून में 50 लाख की स्मैक के साथ दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिलाओं के कब्जे से स्मैक तस्करी कर कमाए गए 5.57 लाख रुपये भी बरामद किए हैं। दोनों महिला नेहरू कॉलोनी क्षेत्र की निवासी हैं। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि कार्रवाई नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में दूरदर्शन भवन के सामने की गई। 45 वर्षीय महिला प्रीति सूरी पत्नी दिनेश निवासी दीपनगर, नेहरूकॉलोनी को गिरफ्तार करते हुए 158 ग्राम स्मैक बरामद की गई। पकड़ी गई तस्कर ने पूछताछ में बताया कि वह बरामद स्मैक को बिलासपुर, रामपुर, यूपी से खरीदकर लाई। कहा कि जिस मकान में वह किराये पर रहती है उसकी मकान मालकिन अनीता पत्नी जगदीश स्थानीय स्तर पर स्मैक बेचने का काम करती है। बताया कि उसने स्मैक यूपी से लाने के लिए भेजा था। अनीता अपने घर पर रहने का किराया भी प्रीति से नहीं लेती है। पुलिस ने प्रीति के घर रेड की।

योजनाओं का परीक्षण के बाद ही रखें मंत्रिमंडल की बैठक : मुख्य सचिव

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिवों एवं सभी विभागीय सचिवों को उनके विभागों में प्रस्तावित व गतिमान योजनाओं/कार्यकम आदि का जमीनी स्तर पर भली–भांति परीक्षण/आंकलन व तुलना करने के बाद ही मा० मंत्रिमण्डल की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किये हैं।मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सभी विभागो को अपनी वर्तमान योजनाओं का आंकलन कर एक समान योजनाओं को मर्ज करने के प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।मुख्य सचिव रतूड़ी ने नई योजना बनाते समय दूसरे विभागों की एक समान योजनाओं का भी परीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि दो विभागों के वित्तीय प्रस्तावों के मध्य कोई विसंगति न हो। इसके साथ ही उन्होंने सभी प्रस्तावित योजनाओं में वित्तीय अनुशासन एवं मितव्ययिता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं द्य मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि योजनाओं की स्वीकृति में प्रक्रिआओं को सरल किया जाए ताकि अनावश्यक रूप से विलम्ब तथा टाइम एण्ड कोस्ट न हों।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने लोक निर्माण विभाग द्वारा रोड कटिंग के स्पष्ट मानक बनाने एवं जिलाधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी विभाग सड़क को बार–बार क्षति न पहुंचाने के भी निर्देश दिए हैं।मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सम्बंधित अधिकारियो को उक्त विषय पर जारी अपने पत्र में सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि प्रायः देखा जा रहा है कि विभिन्न विभागों में प्रस्तावित व गतिमान योजनाओं/कार्यकम आदि का जमीनी स्तर पर भली–भांति परीक्षण/आंकलन व तुलना किए बिना ही मा० मंत्रिमण्डल की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत कर दिया जाता है, जिससे वास्तविक उद्देश्य प्राप्त नहीं हो पाते है। मुख्य सचिव ने अधिकारियो को इस सम्बन्ध में शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, दुगड्डा (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक 534 / निविदा/ 2024-25 दिनांक 24/10/24

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका परिषद, दुगड्डा द्वारा निम्न निर्माण कार्य हेतु पालिका के पंजीकृत ठेकेदारों से सीलबन्द निविदा दिनांक 08.11.2024 को अपराह्न 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 08.11.2024 को अपराह्न 3.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा के साथ निम्नानुसार धरोहर धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 बतौर जमानत राशि के रूप में जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दुगड्डा के नाम बन्धक हो, लगाया जाना आवश्यक है। निविदा के साथ 100/- का स्टाम्प पेपर रसीदी टिकट लगा संलग्न करना अनिवार्य है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेंगी। प्राप्त निविदाओं को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। अन्य शर्ते व विवरण पालिका कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा फार्म पालिका कार्यालय में दिनांक 04.11.2024 से दिनांक 07.11.2024 तक कार्यालय समय/कार्यालय दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा तिथि को अवकाश होने की दशा में अगले कार्य दिवस को निविदा तिथि माना जायेगा।

क्र. सं.	कार्य का नाम	मद का नाम	कार्य की लागत	धरोहर राशि 5%	कोटेशन प्रपत्र मूल्य	जी0एस0टी0 18%	कार्य पूर्ण तिथि
1	पालिका अन्तर्गत समस्त मार्गों की रैलिंगों पर पेन्टिंग कार्य।	राज्य वित्त	3.65 लाख	18,500	500.00	90.00	02 माह
2	वार्ड नं0-03 में एन0एच0 पुल के नीचे से शनि मन्दिर तक नाली पर कोटा एवं इंटर लाकिंग टाइल्स का कार्य।	राज्य वित्त	9.21 लाख	46,100	1000.00	180.00	02 माह
3	वार्ड नं0-01 में पालिका द्वारा निर्मित दुकानों के आगे सी0सी0 प्लम एवं सुरक्षात्मक कार्य।	राज्य वित्त	6.16 लाख	31,000	1000.00	180.00	02 माह
4	पालिका कार्यालय भवन की मरम्मत एवं रंगरोगन कार्य।	राज्य वित्त	22.94 लाख	1,15,000	2000.00	360.00	02 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, दुगड्डा

प्रशासक
नगर पालिका परिषद, दुगड्डा

(0519/77)

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर 54 वाहनों के काटे चालान

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : चारधाम यात्रा और त्योहारी सीजन में सुरक्षित यातायात के लिए जिलाधिकारी संदीप तिवारी के निर्देश पर एसडीएम एसके पांडेय और आरटीओ ज्योति शंकर मिश्र ने शुक्रवार को चमोली से विरही के बीच हाईवे पर वाहनों का संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 54 वाहनों के चालान किए गए।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी ज्योति शंकर मिश्र ने बताया कि बदरीनाथ यात्रा पर इन दिनों हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे है। जिससे हाईवे पर ट्रैफिक बढ़ गया है। चारधाम यात्रा और त्योहारी सीजन में सुरक्षित यातायात संचालन के लिए जिलाधिकारी ने हाईवे पर वाहनों का

संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। ताकि कोई भी अप्रिय घटना न हो। जिलाधिकारी के निर्देशों पर शुक्रवार को एसडीएम और आरटीओ की टीम ने चमोली से विरही तक वाहनों की सघन चेकिंग की। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 54 वाहनों का मौके पर चालान किया गया।

जिसमें ओवर स्पीड के 24, प्रेशर हॉन का 01, ओवर लोडिंग 01, फस्ट एड 09, यूनिफार्म 09, ट्रिप कार्ड 06, रिफ्लेक्टर 04, बैकडोर ओपन 01 आदि मामलों के चालान शामिल है। साथ ही 24 वाहन स्वामियों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए गए। इस दौरान यात्री वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात संबधी जरूरी निर्देश भी दिए गए। संयुक्त निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी चमोली राजकुमार पांडेय, एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्र सहित तहसील और परिवहन विभाग के कार्मिक मौजूद थे।

मानक ब्यूरो से सत्यापित उत्पाद ही खरीदें: जोशी

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को आज देहरादून आईएसबीटी स्थित एक निजी होटल में प्रधानमंत्री आवास योजना पर मानक मंथन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मानक मंथन के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मंच है, जो भारतीय मानकों की चर्चा और उनके प्रोत्साहन के लिए समर्पित है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद दूसरी फाइल प्रधानमंत्री आवास योजना की फाइल साइन की थी। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत प्रति आवास रु 1.30 लाख की अनुदान राशि लाभार्थी को दी जा रही है। इसके अतिरिक्त शौचालय निर्माण हेतु रू. 12,000/– की धनराशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किचन सामग्री बर्तन आदि खरीद हेतु प्रति लाभार्थी रू. 6000/– की दर से सहायता राशि दी

जा रही है। इस प्रकार कुल रू. 1.73 लाख की धनराशि आवास निर्माण हेतु दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत प्रथम फेज में एउउ सर्वे 2011 में पात्र पाये गये सभी 12662 परिवारों को आवास आंवटित किया जा चुका है तथा कुल रू. 169.87 करोड़ की धनराशि का व्यय किया गया है। उन्होंने कहा कि योजनान्तर्गत द्वितीय फेज में आवास प्लस सूची की स्थाई प्रतीक्षा सूची में सम्मिलित समस्त 56040 परिवारों को शत–प्रतिशत किया जा चुका है तथा कुल रू. 796.15 करोड़ की धनराशि का व्यय किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री घोषणा के तहत वित्तीय वर्ष 2022–23 से आगामी वर्षों के लाभार्थियों हेतु प्रति लाभार्थी किचन सामग्री बर्तन खरीद हेतु दी जाने वाली अतिरिक्त सहायता धनराशि को रू0 5000/– से बढ़ाकर रू. 6000/– की गयी है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469 / 79

फोन / फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com